सलाहकार-जीआईएस विशेषज्ञ

रिक्तियों की संख्या-1

बीआरएलएफ के बारे में

भारत रूरल लाइवलीहुड्स फाउंडेशन (बीआरएलएफ) एक स्वायत्त संस्था है, जो भारत सरकार द्वारा समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन पंजीकृत की गई है। बीआरएलएफ को केंद्रीय मंत्रीमंडल के निर्णय के माध्यम से 03 सितम्बर, 2013 को संस्थापित किया गया था, जिसमें मंत्रीमंडल ने सरकार के साथ भागीदारी में नागरिक समाज कार्य की उन्नति हेतु एक स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापित करने का विचार रखा था।

बीआरएलएफ का गठन भारत-भर के लोगों की आजीविका और जीवन के रूपांतरण हेतु सरकार के साथ भागीदारी में नागरिक समाज कार्य को प्रोत्साहित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया है। ग्रामीण निर्धन जीवन को रूपांतरित करने हेतु, बीआरएलएफ प्राकृतिक संसाधनों के उत्थान, सिंचाई हेतु जल की वृद्धि और कृषि करने, आजीविका के प्रोत्साहन, पशुपालन तथा ऑफ-फार्म आजीविका सहित, तथा महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय समावेश करने पर केंद्रित है। बीआरएलएफ निर्धनों पर लक्षित अग्रणी सभी हस्तक्षेपों से महिलाओं द्वारा नेतृत्व वाले सशक्त जमीनी स्तर पर संस्थानों पर बल देता है। बीआरएलएफ ने नागरिक सामाजिक संगठनों के साथ अपनी रणनीतिक नियुक्ति के माध्यम से प्रमुख परिणाम और उत्पादन प्राप्त किए हैं। बीआरएलएफ सरकार और निगमों द्वारा बनाए गए कार्यक्रम प्रारूप के मध्य अंतराल को कम करने से पृष्ठभूमि पर समुदायों के साथ कार्यरत जमीनी स्तर पर नागरिक सामाजिक संगठनों के साथ सक्रियता से कार्य करता है, कार्यक्रम के दौरान जमीनी स्तर पर सरकार के लोकतांत्रिक संस्थानों के मजबूतीकरण द्वारा पृष्ठभूमि पर परिणाम प्राप्त किए गए हैं, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की गुणवत्ता के सुधार, सफल हस्तक्षेप मॉडलों का विकास किया जाता है जिससे कि निर्धनों, विशेष रूप से मध्य भारत में जनजातीय परिवारों को निर्धनता और अभाव से बाहर निकाला जा सके।

कृपया हमारी वेबसाईट: https://www.brlf.in पर पधारें।

परियोजना के बारे में - उच्च प्रभाव वाली मेगा-जलोत्सारण परियोजना झारखण्ड

28 अगस्त, 2020 को, बीआरएलएफ ने उच्च प्रभाव वाली मेगा जलोत्सारण परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आयुक्त मनरेगा सेल, झारखंड सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित परियोजना 7 जिलों के सर्वाधिक पिछड़े 24 प्रखंडों में क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य 190,000 सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर परिवारों के जीवन और आजीविका में सुधार करना है। परियोजना की अवधि चार वर्ष है और कार्यक्षेत्र कार्यान्वयन 1 जनवरी 2021 को शुरू किया गया था। परियोजना राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई के मार्गदर्शन और समर्थन के तहत 12 सीएसओ भागीदारों द्वारा कार्यान्वित की जाती है। इस परियोजना का उद्देश्य 190,000 सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर परिवारों के जीवन और आजीविका में सुधार करना है।

बीआरएलएफ राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई में रिक्तियों को भरने के लिए उपयुक्त और अनुभवी पेशेवर की खोज कर रहा है। राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई राज्य की राजधानी में स्थापित है और उनकी संबंधित अवस्थिति में इस परियोजना के क्रियान्वयन करने वाले सीएसओ भागीदारों को रणनीतिक सुविधा सहायता प्रदान कर रहा है। बीआरएलएफ और आयुक्त मनरेगा के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में एसपीएमयू कार्य करता है।

3: सलाहकार-जीआईएस विशेषज्ञ

रिक्तियों की संख्या-1

मासिक पारिश्रमिक- रु.42525/-

रिपोर्टिंग अधिकारीः टीम लीडर

जॉब का संक्षिप्त विवरणः

- विभिन्न स्रोतों से आंकड़ों का भंडारण और विश्लेषण करना, जिसका अर्थ है प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत जैसे ओडीके, टोपोशीट, ग्राउंड डेटा (फील्ड सर्वेक्षण) और अन्य खुले स्रोत।
- परियोजना विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर प्रभावी मानचित्र, चार्ट और अन्य चित्र बनाना।
- डिजिटलीकरण, जियोप्रोसेसिंग टूल्स आदि का मूलभूत ज्ञान।
- परियोजना की मांगों में वृद्धि और सुधार पर आधारित जीआईएस अनुप्रयोगों (एप्लीकेशन्स) के विकास और प्रबंधन में सहायता करना।
- जीआईएस का समर्थन करने के उद्देश्य से डेटा प्रवाह, प्रबंधन और वितरण गतिविधियों की देखरेख करना। जीआईएस विशेषज्ञ को किसी भी जीआईएस सॉफ्टवेयर जैसे आर्कजीआईएस/क्यूजीआईएस (ArcMap/QGIS) का ज्ञान होना चाहिए। आर्कमैप(ArcMap) और क्यूजीआईएस (QGIS) का उपयोग करके सांख्यिकीय और छवि (इमेज) विश्लेषण करना।
- भू-स्थानिक डेटाबेस के डिजाइन और विकास में समर्थन करना और भाग लेना।
- नवीनतम और सटीक भू-स्थानिक डेटासेट बनाए रखना और जीआईएस क्षेत्र में नवीनतम विकास के साथ अद्यतित रहना।
- जीआईएस मैपिंग और अन्य जीआईएस संबंधित उपकरणों पर सीएसओ टीम के सदस्यों की क्षमता निर्माण करना।

उम्मीदवार की वांछित/आवश्यक योग्यता:

- विषय पर अच्छी पकड़ के साथ सिविल या कृषि इंजीनियरिंग/एमबीए/सामाजिक विज्ञान या संबद्ध क्षेत्रों (बागवानी, वानिकी) में स्नातक/स्नातकोत्तर।
- जीआईएस मैपिंग में एडवांस सर्टिफिकेट कोर्स करने वाले उम्मीदवार को अधिमान प्रदान किया जाएगा।
- जीआईएस मैपिंग और जीआईएस आधारित जलोत्सारण नियोजन में 3-4 वर्ष का अनुभव
- जीआईएस विशेषज्ञ को जीआईएस अनुप्रयोगों (एप्लीकेशन्स) और सॉफ्टवेयर (आर्कजीआईएस/क्यूजीआईएस) (ArcGIS/QGIS) पर उन्नत ज्ञान होना चाहिए।
- जीआईएस विशेषज्ञ के पास हिंदी और अंग्रेजी दोनों में अच्छे संचार और प्रस्तुति कौशल होने चाहिए।

- आयु सीमा: 40 वर्ष

नियुक्ति का स्थान:

- रांची, झारखण्ड

आवेदन प्रक्रियाः

इन पदों के लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवारों को 05, अप्रैल, 2022 को अथवा पूर्व https://recruitment.samshrm.com/JOBS/BRLF पर ऑनलाईन आवेदन करने का निवेदन किया जाता है।